विश्व न्याय मंदिर

रिजवान 2026

विश्व के बहाइयों को संबोधित

परम प्रिय मित्रों

अब नौ वर्षीय योजना का दूसरा, महानतर चरण आरंभ हो रहा है। हम देखते हैं कि वैश्विक बहाई समुदाय एक साथ, उचित आत्मविश्वास के साथ उस मार्ग पर अग्रसर हो रहा है, जिसे उसने निर्धारित किया है। इसकी स्पष्टता और दृढ़ विश्वास त्रुटिहीन है। विश्व में बढ़ती उथल-पुथल से अविचलित, यह अपने पवित्र मिशन पर केंद्रित है। हमें विशेष रूप से यह देखकर हर्ष होता है कि नए संपुष्ट अनुयायी सेवा और कार्य के क्षेत्र में उत्सुकता से उनके साथ अपना स्थान प्राप्त कर रहे हैं, जो लंबे समय से प्रभुधर्म में संपुष्ट हैं। तीसरे मील के पत्थर वाले समुदाय-समूह समृद्ध अनुभव प्राप्त करने और उसका प्रसार करने के लिए उपजाऊ भूमि सिद्ध हो रहे हैं। और हमें यह देखकर भी प्रसन्नता हुई कि मित्र हर जगह हमारे उस संदेश पर विचार कर रहे हैं, जिससे हमने दिसंबर में यहाँ एकत्रित सलाहकारों को संबोधित किया था, और इसकी विषयवस्तु को अपनी योजना और कार्यों में उपयोग कर रहे हैं।

यह उद्देश्यपूर्ण चेतना विशेष रूप से उन संस्थागत बैठकों में स्पष्ट दिखी है, जो विश्व भर में आयोजित की गई हैं। बार-बार, इन बैठकों के विवरणों में एक ही परिदृश्य को रिपोर्ट किया गया है: एक गहन, अंतर्दृष्टिपूर्ण वार्तालाप, जीवंत समुदायों के निर्माण के प्रत्यक्ष अनुभव पर आधारित न कि धारणाओं या सिद्धांत पर। यह वार्तालाप प्रत्येक स्थान पर जारी सीखने की प्रक्रिया से अनुप्राणित होता है। यह बहाई समुदाय के प्रयासों के महत्व और दिशा की आवश्यकता से व्याकुल विश्व के लिए इन प्रयासों के धारित निहितार्थों की गहरी समझ से ओत-प्रोत है। जिम्मेदारी और संकल्प की भावना व्यापक रूप से अनुभव की गई है, और कार्य की व्यापकता के प्रति तीव्र जागरूकता है। अक्सर, यह वार्तालाप एक अतिरिक्त, पूरक दृष्टिकोण उपलब्ध कराता है जो समुदायों और व्यक्तियों के प्रयासों को केवल कार्यक्रमों और परियोजनाओं की खोज के रूप में नहीं, बल्कि दिव्य शिक्षाओं पर आधारित जीवन शैली के पोषण करने के रूप में पहचान करती है—क्रियाओं, अंतरक्रियाओं और आकांक्षाओं को आकार देना।

सीखने की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला यह गंभीर वार्तालाप, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तरों से लेकर गाँव और पड़ोस तक, और संस्थाओं द्वारा आयोजित बैठकों के साथ-साथ अन्य उभरते मंचों सहित विभिन्न प्रकार के परिवेशों में, पूरे समुदाय में आगे बढ़ा है। यह निश्चित रूप से राष्ट्रीय अधिवेशन की भी एक विशिष्टता होगी। हम इस वार्तालाप के आगे बढ़ने से व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई के पैटर्न को मजबूत और विस्तार पाते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। सदैव की भांति, यह एक वार्तालाप है जिसे मित्रों, पड़ोसियों और मानवजाति की एकात्मकता पर आधारित आध्यात्मिक और भौतिक प्रगति लाने के प्रयास के साथ पहचाने जाने वाले समान विचारधारा वाले लोगों के निरंतर विस्तृत होते दायरों के मध्य बढ़ाया जाना चाहिए। इस वार्तालाप को विस्तारित करने के लिए बनाए जा रहे अवसरों—चाहे वे स्वतःस्फूर्त हों या लंबे समय पहले से

योजनाबद्ध—समाज के साथ गहन भागीदारी का संकेत हैं, और हमें आशा है कि उत्तरोत्तर और भी आम होते जाएंगे।

व्यापक समाज में अनेक लोग, जो बहाइयों की तृणमूल गतिविधियों से परिचित होते हैं, उनकी विशिष्ट विशेषताओं से प्रभावित हो जाते हैं: यह सभी की भलाई के लिए एक सच्ची चिंता से उत्पन्न होता है, यह एकता और सेवा की ओर उन्मुख होती है, और यह स्पष्ट सिद्धांतों का पालन करती है फिर भी हर समस्या का तात्कालिक समाधान होने का दावा नहीं करतीं। साझा प्रयास की भावना में, बहाई-जन दूसरों के साथ सहयोग करने और साथ में सीखने का प्रयास करते हैं; और समाज में अधिकार और ज़िम्मेदारी के पदों पर आसीन लोगों के साथ अपने संबंधों में, वे गंभीर और स्पष्टवादी होते हैं। वे राजनीतिक महत्वाकांक्षा या स्वार्थ के बगैर सामाजिक परिवर्तन चाहते हैं, वे यह पहचानते हैं कि जैसे-जैसे प्रभुधर्म की प्रसिद्धि बढ़ेगी, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि इसके वास्तविक स्वरूप और उद्देश्य को भली-भांति समझा जाए। अनेक स्थानों पर, समुदाय की समाज के साथ बढ़ती अंतःक्रियाओं का अनिवार्य रूप से अर्थ है कि नई स्थितियों का सामना करना पड़ेगा और नए प्रश्नों के उत्तर देने होंगे, और यह समुदाय को अपनी सक्षमताओं को और विकसित करने के लिए बाध्य कर रहा है।

जैसा कि हमने हाल की सलाहकारों के सम्मेलन को अपने संदेश में स्पष्ट किया था कि पिछले चार वर्षों में एक महत्वपूर्ण विकास यह रहा है कि समुदाय योजना के एक अधिक सुस्पष्ट नायक के रूप में उभर रहा है, जो विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने और विशेष क्षेत्र के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं को संगठित कर रहा है, सहभागी व्यवस्थाओं के माध्यम से पारस्परिक समर्थन प्रदान कर रहा है, और कार्रवाई के एक विकसित होते ढांचे में अधिक प्रभावी होना सीख रहा है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण युवा समूह हैं, जो किसी स्थानीय क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं और अपने साथियों की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रहे हैं। स्वाभाविक रूप से, उनके प्रयासों को संस्थाओं के स्नेहपूर्ण प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से अत्यधिक लाभ होता है, लेकिन युवाओं ने भी पहल करने और सेवा के फलदायी मार्गों की पहचान करने की अपनी क्षमता दिखाई है। अधिकांश समय, उनके प्रयास संघर्ष और अव्यवस्था, आर्थिक असमानता और गहरे सामाजिक विभाजनों की पृष्ठभूमि में हो रहे हैं। हम उन चुनौतियों को पहचानते हैं जिनका सामना युवा ऐसी परिस्थितियों में करते हैं, और हम आलोचना और निंदा करने की इच्छा का विरोध करने के लिए उनकी सराहना करते हैं: इसके स्थान पर वे इन थोपी गई बाधाओं से बचने और अंततः उन पर विजय पाने की दिशा में काम करने के लिए रचनात्मक तरीके खोज रहे हैं।

प्रिय मित्रों, समय चाहे कितना ही उथल-पुथल भरा क्यों न हों, हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप सशंकित या हतोत्साहित न हों। 'अब्दुल-बहा' हम सभी को ईश्वर की कृपाओं पर भरोसा करने की सलाह देते हैं, और इसीलिए 'सदैव आशावान', अपनी आशा में 'दृढ़', और 'निराश आत्मा के लिए आशा का कारण' बनें। जब विश्व के क्षितिज अंधकारमय हो जाते हैं, आशा एक दुर्लभ और मूल्यवान संसाधन बन जाती है—लेकिन यह एक चीज है, जिसका सर्वमहान नाम के समुदाय को, प्रचुरता का आशीर्वाद प्राप्त रहा है क्योंकि उसने

मानवता के भविष्य के बारे में अपने दृढ़ यकीन और अपने अनुभव से जो सीखा है, असंख्य लोग उस आशा के लिए तरसते हैं, जिसे आप उनके हृदय में ला सकते हैं।

आशा की लौ को लंबे समय से संजोए रखने वाले समुदाय के एक सुनहरे उदाहरण के लिए, हम उन पीड़ित, पर सदैव धैर्यवान, सदैव अडिग, सदैव चुनौतियों का सुगमता से सामना करने वाले बहाउल्लाह के अनुयायियों की ओर देखते हैं जो प्रभुधर्म के पालने में हैं। देखिए कि वे कितने अनुशासित बने रहे हैं, दशकों के अनवरत उत्पीड़न के बावजूद सिद्धांतों के प्रति कितना समर्पित रहे हैं—और यह भी कि वे अपने साथी अनुयायियों द्वारा अन्य देशों में की गई प्रगति से सीखने के लिए कितने दृढ़ कटिबद्ध रहे हैं, अपने ही देश में अपने नागरिकों की सेवा और उन्हें सांत्वना देने के लिए कितने संकल्पित रहे हैं। अपने अनेक देशवासियों के लिए वे आशा की एक किरण, करुणा और अंतर्दृष्टि का स्रोत और सेवा के मार्ग पर विश्वसनीय साथी रहे हैं और बने हुए हैं। हाल के सप्ताहों और महीनों में, ये मित्र जिन्हें हम अत्यधिक पसंद करते हैं, हमारे विचारों में निरंतर उपस्थित रहे हैं और हमारी प्रार्थनाओं के बार-बार विषय रहे हैं, हमें यकीन है कि वे आपके विचारों में भी रहे होंगे, सर्व-प्रेमपूर्ण प्रभु से यह प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें अपने कोमल स्नेहिल देखभाल के आलिंगन में रखें।

ईश्वर के कार्य को आगे बढ़ाने के आपके अपने प्रयास हमारी प्रार्थनाओं के केंद्र में कमतर नहीं हैं जिन्हें हम पवित्र देहरी पर अर्पित करते हैं—विशेषतः अब, नौ वर्षीय योजना के नए चरण के प्रारंभ में। जितनी बार भी हम पवित्र समाधियों में जाते हैं, हम आपके प्रयासों के लिए दिव्य सहायता और सहयोग की याचना करते हैं, और आपके श्रम में साहस और शक्ति के लिए अनुनय करते हैं। आप कार्य में तत्पर हों तथा सीखने को उत्सुक, और दिव्य साम्राज्य के सभी आशीर्वाद आप पर विराजें।

विश्व न्याय मंदिर